



Launching a Legacy: IIM Raipur held an Inaugural Ceremony for the 15th batch of MBA and 13th batch of Doctoral Cohorts

Indian Institute of Management Raipur marked a significant milestone as it welcomed the 15th batch of Post Graduate Programme in Management and the 13th batch of Fellow Programme in Management on July 5th. The inauguration ceremony, held in the presence of Prof. Ram Kumar Kakani, Director of IIM Raipur, was graced by esteemed Chief Guests, Smt. Gowri Thyagarajan Mukherjee, Co-Founder of CreditMantri, and Shri Surojit Mukherjee, Managing Director and CEO of Mudhra Fine Blanc Private Limited.

The ceremony was designed to aid students in acclimating to their new academic environment while aligning their expectations with the core values deeply ingrained in the ethos of IIM Raipur. The inauguration commenced with a solemn lamp-lighting ceremony and prayers to Goddess Saraswati.

IIM Raipur prides itself on fostering a vibrant and diverse community where members are encouraged to aspire to greatness, knowing that their endeavors will leave a lasting mark on the institute's legacy. Reflecting on its journey from modest beginnings to achieving the impressive 11th place in the 2024 Indian Institutional Ranking Framework (IIRF), the institution takes immense pleasure and pride in this accomplishment.

Prof. Pradyumna Dash, Dean (Academics), IIM Raipur, extended a warm welcome to all students through his address. Widely recognized as a pillar of strength, Prof. Dash has played a pivotal role in advancing academic excellence at the institution through his tireless efforts and unwavering dedication. Prof. R.K. Jana, the Chairperson (Admissions), presented the batch profile, showcasing the rich diversity in academic background, professional experience, age, gender, and domicile of the incoming students. The batch profile of IIM Raipur includes a diverse mix of students, with 40% being female and an average work experience range of 15.7 months.

The event also featured a presentation by Prof. Saroj Kumar Pani, Chairperson of Doctoral Programmes, who introduced the institute's doctoral programmes in management. He highlighted the research focus of the programs and their relevance to the changing world of business, society, and education.

Becoming a student at IIM Raipur is a transformative experience that exceeds expectations. The postgraduate programme in management is the core that unites everyone, with the beloved faculty members at the heart of this journey. The programme is chaired by Dr. Jagrook Dawra, the esteemed chairperson of the postgraduate programme. He introduced the programme and its esteemed faculty members. Prof. Ram Kumar Kakani, Director of IIM Raipur, shared his insights on the significance of applying learning for progress in life. Prof. Kakani is a visionary whose leadership and motivations have brought a positive transformation



to the institute. The Director's welcome address to the new batch was an inspiring start to their journey at IIM Raipur.

Smt. Gowri Thyagarajan Mukherjee, CEO and co-founder of CreditMantri, recounted her journey of founding a startup to assist low-score consumers in enhancing their credit health. Initially hesitant about entrepreneurship, her aspiration to experience the luxuries of flying and staying in 5-star hotels propelled her to overcome her doubts and take a courageous leap of faith. Similarly, Shri Surojit Mukherjee, MD & CEO of Mudra Fine Blanc, emphasized the importance of adaptability and acceptance in entrepreneurship. With over 20 years of experience in a demanding industry, he shared that not everything flows as per plan, and one must learn to pursue the hand that is given. Dean Academics Prof. Pradyumna Dash thanked all the speakers, guests, and participants for their valuable contributions and insights.

Prof. Rashmi Shukla, Chairperson of Corporate Relations, and Prof. Navneet Bhatnagar, Chairperson of International Relations, introduced the students to the Placement Committee and the International Relations Committee, respectively. The presentations provided valuable insights and satisfied the students' curiosity regarding the institute's placement procedure and international student exchange programme.

During the event, the importance of providing a holistic academic experience to the students at IIM Raipur was accentuated. Prof. Dr. Jagrook Dawra addressed the issues and helped the students better understand and adapt to their academic journey. Prof. M Ram Kumar, Chairperson of Student Affairs, addressed the audience about student life and responsible living on the IIM Raipur campus. He emphasized the importance of balancing academic pursuits with extracurricular activities and personal growth.

Following Prof. Kumar's address, Col. (Dr.) Harindra Tripathi, Chief Administrative Officer, provided an overview of the administrative facilities available on campus for the students to access. He highlighted the various resources and support services available to ensure a smooth and comfortable student stay. Mr. C.K. Swain provided a walkthrough of the library resources and services available at IIM Raipur. Additionally, a sensitization session was led by Prof. Ashapura Baruah, Chairperson SAKSHAM. She introduced Manisha Sharma, who founded the Sankalp Sanskritik Samiti, a civil society organization focused on socio-economic empowerment. Her address to the audience was invoking and left a lasting impression.

To bring the orientation programme to a resounding conclusion, Prof. Kamal K Jain addressed the students with electrifying concluding remarks that ignited a blazing fire of motivation and unyielding zeal within the students, propelling them to embark on their MBA journey with unwavering determination and passion.



विरासत की शुरुआत: भा.प्र.सं. रायपुर ने 15वें बैच के एमबीए और 13वें बैच के डॉक्टरल छात्रों के लिए उद्घाटन समारोह आयोजित किया

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर ने 5 जुलाई को प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम के 15वें बैच और फेलो कार्यक्रम के 13वें बैच का स्वागत करते हुए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर मनाया। उद्घाटन समारोह, जो भा.प्र.सं.रायपुर के निदेशक प्रो. राम कुमार काकानी की उपस्थिति में आयोजित हुआ एवम सम्मानित मुख्य अतिथि श्रीमती गौरी त्यागराजन मुखर्जी, क्रेडिटमंत्रि की सह-संस्थापक, और श्री सुरोजित मुखर्जी, मुधरा ब्लैक प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और सीईओ द्वारा शोभायमान किया गया।

समारोह का उद्देश्य छात्रों को उनके नए शैक्षणिक वातावरण में समायोजित करने में सहायता करना और उनकी अपेक्षाओं को भा.प्र.सं. रायपुर की गहराई से निहित मुख्य मूल्यों के साथ संरेखित करना था। उद्घाटन एक गंभीर दीप प्रज्वलन समारोह और देवी सरस्वती की प्रार्थना के साथ शुरू हुआ।

भा.प्र.सं. रायपुर खुद को एक जीवंत और विविध समुदाय के निर्माण पर गर्व करता है, जहां सदस्यों को महानता की आकांक्षा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, यह जानते हुए कि उनके प्रयास संस्थान की विरासत पर एक स्थायी छाप छोड़ेंगे। 2024 भारतीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (आई आई आर एफ) में 11वें स्थान पर पहुंचने की प्रभावशाली उपलब्धि हासिल करने की यात्रा पर विचार करते हुए, संस्थान इस उपलब्धि पर अत्यंत प्रसन्नता और गर्व महसूस करता है।

प्रो. प्रद्युम्ना दाश, डीन (अकादमिक), भा.प्र.सं. रायपुर ने अपने संबोधन के माध्यम से सभी छात्रों का गर्मजोशी से स्वागत किया। व्यापक रूप से ताकत के स्तंभ के रूप में पहचाने जाने वाले प्रो. दाश ने अपने अथक प्रयासों और अटूट समर्पण के माध्यम से संस्थान में शैक्षणिक उत्कृष्टता को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रो. आर.के. जना, चेयरपर्सन (प्रवेश), ने बैच प्रोफाइल प्रस्तुत की, जिसमें आने वाले छात्रों की शैक्षणिक पृष्ठभूमि, पेशेवर अनुभव, आयु, लिंग और निवास स्थान में समृद्ध विविधता को दर्शाया गया। भा.प्र.सं. रायपुर के बैच प्रोफाइल में 40% महिला छात्राएं शामिल हैं और औसत कार्य अनुभव 15.7 महीने है।

इस कार्यक्रम में प्रो. सरोज कुमार पाणी, डॉक्टरल प्रोग्राम्स के चेयरपर्सन द्वारा एक प्रस्तुति भी शामिल थी, जिन्होंने प्रबंधन में संस्थान के डॉक्टरल प्रोग्राम्स का परिचय दिया। उन्होंने कार्यक्रमों के अनुसंधान फोकस और व्यापार, समाज और शिक्षा की बदलती दुनिया के प्रति उनकी प्रासंगिकता को उजागर किया।

भा.प्र.सं. रायपुर का छात्र बनना एक परिवर्तनकारी अनुभव है जो अपेक्षाओं से परे है। प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम वह कोर है जो सभी को एकजुट करता है, और इस यात्रा के केंद्र में प्रिय संकाय सदस्य होते हैं। इस कार्यक्रम के चेयरपर्सन डॉ. जागरूक दावरा हैं, जिन्होंने कार्यक्रम और इसके प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों का परिचय दिया। भा.प्र.सं. रायपुर के निदेशक प्रो. राम कुमार काकानी ने जीवन में प्रगति के लिए सीखने को लागू करने के महत्व पर अपने विचार साझा किए। प्रो. काकानी एक दूरदर्शी नेता हैं जिनके नेतृत्व और प्रेरणाओं ने संस्थान में सकारात्मक परिवर्तन लाया है। नए बैच के लिए निदेशक का स्वागत भाषण उनकी भा.प्र.सं. रायपुर में यात्रा की प्रेरणादायक शुरुआत थी।

श्रीमती गौरी त्यागराजन मुखर्जी, क्रेडिटमंत्रि की सीईओ और सह-संस्थापक, ने कम स्कोर वाले उपभोक्ताओं की क्रेडिट स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए एक स्टार्टअप की स्थापना की अपनी यात्रा के बारे में बताया। उद्यमिता को लेकर प्रारंभिक संकोच के बावजूद, उड़ान भरने और 5-स्टार होटलों में रहने के विलासिता का अनुभव करने की उनकी आकांक्षा ने उन्हें संदेहों को दूर करने और साहसी कदम उठाने के लिए प्रेरित किया। इसी प्रकार, श्री सुरोजित मुखर्जी, मुधरा फाइन ब्लॉक के एमडी और सीईओ, ने उद्यमिता में अनुकूलनशीलता और स्वीकृति के महत्व पर जोर दिया। एक चुनौतीपूर्ण उद्योग में 20 से अधिक वर्षों के अनुभव के साथ, उन्होंने साझा किया कि सब कुछ योजना के अनुसार नहीं चलता है, और व्यक्ति को मिले हुए हाथ का पीछा करना सीखना चाहिए। डीन अकादमिक प्रो. प्रद्युम्ना दाश ने सभी वक्ताओं, अतिथियों और प्रतिभागियों को उनके बहुमूल्य योगदान और अंतर्दृष्टियों के लिए धन्यवाद दिया।

प्रो. रश्मि शुक्ला, कॉर्पोरेट रिलेशन्स की चेयरपर्सन, और प्रो. नवनीत भटनागर, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के चेयरपर्सन, ने छात्रों को क्रमशः प्लेसमेंट कमेटी और अंतर्राष्ट्रीय संबंध समिति से परिचित कराया। प्रस्तुतियों ने संस्थान की प्लेसमेंट प्रक्रिया और अंतर्राष्ट्रीय छात्र विनिमय कार्यक्रम के बारे में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान की और छात्रों की जिज्ञासा को संतुष्ट किया।

कार्यक्रम के दौरान, भा.प्र.सं. रायपुर के छात्रों को एक समग्र शैक्षणिक अनुभव प्रदान करने के महत्व को रेखांकित किया गया। प्रो. डॉ. जागरूक दावरा ने मुद्दों को संबोधित किया और छात्रों को उनकी शैक्षणिक यात्रा को बेहतर ढंग से समझने और अनुकूलित करने में मदद की। छात्र मामलों के चेयरपर्सन प्रो. एम. राम कुमार ने दर्शकों को भा.प्र.सं. रायपुर परिसर में छात्र जीवन और जिम्मेदार जीवन के बारे में संबोधित किया। उन्होंने शैक्षणिक प्रयासों के साथ सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों और व्यक्तिगत विकास को संतुलित करने के महत्व पर जोर दिया।

प्रो. कुमार के संबोधन के बाद, कर्नल (डॉ.) हरिंद्र त्रिपाठी, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, ने छात्रों के लिए उपलब्ध प्रशासनिक सुविधाओं का एक अवलोकन प्रस्तुत किया। उन्होंने छात्रों के सहज और आरामदायक निवास को सुनिश्चित करने के लिए उपलब्ध विभिन्न संसाधनों और समर्थन सेवाओं पर प्रकाश डाला। श्री सी.के. स्वेन ने भा.प्र.सं. रायपुर में उपलब्ध पुस्तकालय संसाधनों और सेवाओं का एक विस्तृत विवरण प्रदान किया। इसके अतिरिक्त, प्रो. आशापूर्णा बोरुआ, चेयरपर्सन सक्षम, द्वारा एक संवेदनशीलता सत्र का नेतृत्व किया गया। उन्होंने संकल्प सांस्कृतिक समिति की संस्थापक मनीषा शर्मा को परिचित कराया, जो एक नागरिक समाज संगठन है जो सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण पर केंद्रित है। उनके संबोधन ने दर्शकों को प्रेरित किया और एक स्थायी प्रभाव छोड़ा।

उन्मुखीकरण कार्यक्रम को एक गूंजते हुए समापन पर लाने के लिए, प्रो. कमल के जैन ने छात्रों को उत्साहपूर्ण समापन टिप्पणी के साथ संबोधित किया, जिसने छात्रों के भीतर प्रेरणा और अडिग उत्साह की एक ज्वलंत आग प्रज्वलित कर दी, जिससे वे अपनी एमबीए यात्रा को अटूट दृढ़ संकल्प और जुनून के साथ शुरू करने के लिए प्रेरित हुए।

